



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

चं. 36] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 7, 1992/शुद्ध 16, 1914

No. 36] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 7, 1992/BHADRA 16, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय नीवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी मर्यादित

घावेरा

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1992

एल.सी.आई.सी.आई.धारा 10.—यहां: भारतीय नीवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी मर्यादित (जिसे
इसके बाद एम.सी.आई.सी.आई. कहा गया है) नीवहन विकास निधि समिति (उत्पादन) अधिनियम,
1986 (जिसे इसके बाद "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 16 के अंतर्गत "अभिहित व्यक्ति" है।

और यतः निधियां स्टोम नेविगेशन कम्पनी मर्यादित (जिसे इसके बाद "उक्त कम्पनी" कहा गया है)
को कम्पनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत एक सार्वजनिक मर्यादित कम्पनी है और जिसका पंजीकृत कार्यालय

सिन्दिया भवन, नरोत्तम मोरारजी मार्ग, बालार्ड इस्टेट, मुम्बई-400038, है का निदेशक बोर्ड एस.सी.आई.सी.आई द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10 के अन्तर्गत नियुक्त किये गये निदेशकों से संचालित है।

और तब राजपत्र अधिसूचना क्रमांक जी.एल. 33008/92 दिनांक एप्रिल 30, 1992 द्वारा श्री आर. सुन्दरामन को उक्त कम्पनी के बोर्ड पर नियुक्त किया गया है।

और तब उक्त राजपत्र अधिसूचना में श्री आर. सुन्दरामन का नाम गलती से आर. सुन्दरम लिखा गया है।

अतः यह इस परिवर्तन का वास्तविक रूप देने के लिए तथा उक्त अधिनियम की धारा 10 के उपबन्धों के अनुसरण से तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत रिमोवर को नियुक्तों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, एतद्वारा यह आदेश दिया जाता है और घोषणा की जाती है कि:

(1) श्री आर. सुन्दरामन का नाम, जैसा कि उक्त राजपत्र अधिसूचना में छापा गया है (गलती से आर. सुन्दरम छपा गया है) आर. सुन्दरामन जैसा पढ़ा जाना चाहिए।

(2) श्री आर. सुन्दरामन जुलाई 28, 1992 के बाद उक्त कम्पनी के निदेशक माने जायेंगे।

यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित होने ही तत्काल प्रभावशील हो जायेगा।

के आदेश से,

भारतीय नौवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी,
सर्वाधिक [नौवहन विकास निधि समिति (उत्पादन)
अधिनियम, 1986 (संशोधित) के अन्तर्गत
केन्द्रीय सरकार के अधिहित व्यक्ति के रूप में]

आई.एस. शर्मा, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

THE SHIPPING CREDIT AND INVESTMENT COMPANY OF INDIA LIMITED

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1992

SCICI/SEC 10.—Whereas The Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter “the SCICI”) is the “designated person” within the meaning of Section 16 of the SDFC (Abolition) Act, 1986 (hereinafter “the said Act”).

And whereas the Board of Directors (hereinafter “the said Board”) of THE SCINDIA STEAM NAVIGATION COMPANY LIMITED (hereinafter “the said Company”), a public company within the meaning of the Companies Act, 1956 and having its registered office at Scindia House, Narottam Morarjee Marg, Ballard Estate, Bombay-400038 is constituted of Directors who have been appointed by the SCICI in terms of Section 10 of the said Act.

And whereas, a Gazette Notification Regd. No. D.L.-33004/92 was issued on April 30, 1992 appointing Shri R. Sundararaman on the Board of the said company;

And whereas the name of Shri R. Sundararaman was wrongly spelt as R. Sundaram in the aforesaid Gazette Notification;

Now therefore in order to give effect to the aforesaid change and in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act, and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act, it is hereby ordered and declared that;

- (i) The name of Shri R. Sundararaman as published in the aforesaid Gazette Publication (wrongly spelt as R. Sundaram) should be read as R. Sundararaman; and
- (ii) Shri R. Sundararaman will be a director on the said company with effect from July 24, 1992.

This order shall come into force immediately upon it being notified in the Official Gazette.

Dated at Bombay 24th day of August, 1992.

By Order,

for the Shipping Credit & Investment Company of India Ltd.

[As designated person of the Central Government under the SDFC (Abolition) Act, 1986]

Y. S. SHAH, Authorised Signatory

